



सुप्रभात

रांची, गुरुवार

07.09.2023

* नगर संस्करण | पेज : 12

khabarmantra.net माद्रपद, कृष्ण पक्ष, अष्टमी संवत् 2080 मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 11 | अंक : 58

सबकी बात सबके साथ

कैबिनेट की बैठक में 35 अहम प्रस्तावों को मंजूरी

किन्नरों को आरक्षण का लाभ और पेंशन देने का भी फैसला

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

खबर मन्त्र व्यूह

रांची। सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में निर्वाचन कार्य के दौरान हिंसा में या दुर्घटना में घाल होने पर कर्मियों को मिलने वाले मुआवजे राशि में बढ़ि और किन्नरों को थर्ड जेंडर का दर्जा दिये जाने समेत आरक्षण का लाभ और अन्य सुविधा देने के प्रताव को स्वीकृति दी। चुनाव कार्य से अलग एक मामले में यी घाल या दिव्यांग पुलिस कर्मियों को 7.5 लाख से 12 लाख रुपये तक मिलेगा। साथ ही बैठक में रेविंज को अधिसूचित बीमारी घोषित करने समेत 35 प्रस्तावों पर मुहर लगी।

थर्ड जेंडर को बढ़ी सौगत

झारखण्ड कैबिनेट की बैठक में किन्नरों को थर्ड जेंडर में संविधान करते हुए उन्हें कई अन्य लाभ भी देने की मंजूरी दी गयी। यदि वे अनावश्यक श्रृंगी के हैं, तो उन्हें 35 हजार रुपए में दो पैटेन्ट कियाये पर लिया था। पुलिस ने बताया कि वे तीनों गांजे के पौधों की हाइड्रोपोनिक्स तरीके से खेती करते थे। इसमें बिना मिट्टी के पौधों की उगाया जाता है। ग्रीन हाइट्स इफेक्ट से अच्छी गुणवत्ता के गांजे की खेती का सिस्टेम बनाया गया था। पौधों के जल्दी विकास के लिए इन्हें एक सिस्टेम का उपयोग भी किया जाता था। रवि प्रकाश ने राशि से एप्लिकेशन की पढ़ाई की है। पौधों की इलेक्ट्रिक सिंकेंट की सहायता से पानी दिया जाता था। रितिका यह मैटेन करती थी। एक अधिकारी ने बताया कि तीनों ने भांग की खेती के लिए एक आवासीय इमारत की 15वीं मजिल पर दो दो अपार्टमेंट के अंदर तापमान और आर्द्धता नियंत्रण के साथ दो हाई-टेक ग्रीनहाउस लगाये थे। (शेष 11 पर)

**भारत पर सीएम का बार
धूस लेते धराये
अभियंता पर दी केस
की अनुमति**

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भ्रात्याचार के खिलाफ जोरों टॉलेंसेस के तहत एक बार फिर भ्रात्याचार के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दी है। सीएम ने इस कड़ी में प्रथम श्रेणी के पदाधिकारी चाहिएवास के तकालिन कार्यपालक अधिकारी, लघु सिंचाव प्रमंडल, मनोज कुमार विद्यार्थी के खिलाफ पीई दर्ज करने की अनुमति दे दी। जुलाई 2019 में उन्हें 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। (शेष 11 पर)

कैबिनेट ने रेविंज को अधिसूचित बीमारी घोषित करने का भी नियमित दिया है।

राज्य के खनिज क्षेत्र में जलालूति के लिये पुरारेक्षित प्राक्कलन 3.5 करोड़ की स्वीकृति देने का फैसला दिया है।

निरसा में 6 अरब की बोजाना, बरही

जलालूति योजना के लिये 27 करोड़ की मंजूरी दी गयी है। एचडी बीट्रे पर 10.71

करोड़ रुपये की अदायी एसबीआइ कार्यालय

के लिए 1.498 एकड़ भूमि देने की स्वीकृति दी गयी है। एक बैठक के लिए 27 करोड़ की

सेवानिवृत शिक्षकों को एक जनवरी 2020 से

दिनांक 31 मार्च 2020 का बकाया पेंशन का अंतर

राशि के बकाया का 6 प्रतिशत ब्याज के भुगतान के

संस्थाओं के नियमावली 2004 में संशोधन किया गया।

साथ से देने की स्वीकृति दी गई। (शेष 11 पर)

इसके तहत अनुदान राशि में संशोधन

किया गया। इसके तहत एनएसी से

मान्यता प्राप्त

कॉलेज को मिलने

वाला

अनुदान सी ग्रेड पर 4 लाख,

डी ग्रेड पर 8 लाख

और ए ग्रेड पर

12 लाख रुपये दिये जायेंगे।

पूर्व की

तरह बिना मान्यता वाले कॉलेज को

दो लाख

मिलेगा। राज्य के

विश्वविद्यालय,

अंग्रेजी कॉलेज के

विषयविद्यालय,

सेवानिवृत

शिक्षकों को

एक जनवरी

2020 से

देना

गया।

उनके

कैरेल

कैडर

आविंटित

हुआ। वे

मूल

रूप से

हजारीबाग

मालीवीय मार्ग के

नियासी

थे। उनके

पिता

महेंद्र

प्रसाद

सेना में

हिंदू

स्कूल

हजारीबाग से

स्कूल

हजारीबाग से

स्कूल

हजारीबाग से

जूलॉजी में

बीएससी

किया।

आइपीएस

बनने के बाद

कैरेल

के दो-

तीनी

में एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी

कॉलेज

में

एसपी</



શ્રીકૃષ્ણ જન્માષ્ટમી પર
બચ્ચોને કે દ્વારા ફૈન્સી ટ્રૈય
પ્રતિયોગિતા કા આયોજન

વિરુદ્ધા | અગ્રસેન સરવરતી વિદ્યા
મદિર વિરુદ્ધા મેં શ્રીકૃષ્ણ જન્માષ્ટમી
કે શ્રુત્ય અસર પર બચ્ચોને કે દ્વારા
ફૈન્સી ટ્રૈય પ્રતિયોગિતા કા આયોજન
કિયા ગયા કાર્યક્રમ કા સંચાલન
અંગે દાના ને કિયા કાર્યક્રમ મને નહે
મુશ્કે બચ્ચોને દ્વારા આર્કાફ્ટ ભેસ ભૂષા
મને અપની પ્રસ્તુતિ દી વર્ષી સ્કૂલ કે
બચ્ચોને દ્વારા રંગરાગ કાર્યક્રમ થી
પ્રસ્તુત કિયા ગયા | મુશ્કે અતિથિ કે
તૌર પર બીજી દેવી તથા નિર્માલ દેવી
મોદ્જૂદ થી વહી વિદ્યાલય કે સચિવ
નિલય ગઢવાન થી મોદ્જૂદ થી થૈફ્સી
ટ્રૈય પ્રતિયોગિતા મને પ્રથમ અંત્રી માઝી
દ્વિતીય કુમારી આરોહી તથા તૃતીય
કુંજ ગાંધારીની રહે જિંને અતિથિ ને
સમાપ્ત કિયા | કાર્યક્રમ કો
સફળ બનાને મેં આશા રંગકાર
સહિત અચ્છા રિસ્કટ ગાંધ આવી થે |
આટીસી 5 મને માર્ટિફાઇડ
એક્સાઇટેશન સિસ્ટમ
કા ઉડ્ઘાટન

બોકારો | બોલસાલ કે આંકસીજન
પ્લાંટ કે આંકસીજન ટર્બો કમેસર
સંખ્યા 4 કે માર્ટિફાઇડ
એક્સાઇટેશન સિસ્ટમ કા ઉડ્ઘાટન
ઝડી (સરકારી) થીકે તિવારી ને
કિયા | મોકે પર સીજીએમ
(અનુરક્ષણ) પી કે બૈસિયા
સીજીએમ (વિદુત) દેવાશીષ સરકાર
ગેસ ઉપયોગિતાએ પ્રભારી સુનીલ
શરણ સિન્ધા સંજય ગુપ્ત અરુણ
ચીહ્નાન બસની કેશવ સહિત
ઓવેસન પ્લાંટ એવ ઝડી એલ વિભાગ
કે અંકિતા વ કરી ઉપસ્તિથ થે |
સિસ્ટમ મને નાઇટ્રોજન કી કમ
ઉપલબ્ધ કી સમસ્યા કે સમાધન
કે લિએ ક્રોસેસર સંખ્યા 5 મને
એક્સસાઇટેશન સિસ્ટમ કા
માર્ટિફિકેશન કિયા ગયા જો
કમેસર કે પરિચાલન મને સ્થાયિત્વ
પ્રદાન કરેગા | ઇસ કાર્ય કો સંપ્રાત
કે આંતરિક સંસાધનોની ઉપયોગ
કર કરી એવી અંકિત વિધિ કે
આંકસીજન પ્લાંટ ઔર ઈન્ફિએટ
કી ટીમ દ્વારા કિયા ગયા | ઇસ બાબત
ઝડી શ્રી તિવારી ને આંકસીજન પ્લાંટ
ઔર ઝડીએલ કી ટીમ કો બધાં દી

બદ્ધ ગાર્ડન સ્ક્લુલ મને રાધા કૃષ્ણ સાજ્જા

પ્રતિયોગિતા કા આયોજન
ધનબાદ/રાધાંજન | બુધવાર કો ડાસ્કુલ
ગાર્ડન સ્કૂલ, રાધાંજન મને જન્માષ્ટમી
કે શ્રુત્ય અસર પર રાધા કૃષ્ણ
સાજ્જા પ્રતિયોગિતા કા આયોજન
કિયા ગયા | જિસમને જુનિયર કક્ષા કે
બચ્ચો રાધા, કૃષ્ણ, હુમાન, સુદામા કા
દર્શનીય રૂપ ધારા કર આપી થે |
ઉને સાથ ઉનકે અભિભવક ભી
ઇસ કાર્યક્રમ મને શામલ થે | બચ્ચોને
રાધા કૃષ્ણ કે રૂપ મને અલગ-અલગ
મનવાનું લોલાં કે નિર્મલ નેત્ર
ચાંચ કી યા રહ્યા હોય | ઇસનીએ
ને ઇન્ફિએટ મને કિરી પ્રકાર
ને કાર્યક્રમ કરી એવી હોય |

બેંક ઓફ ઇન્ડિયા દ્વારા
રક્તદાન શિવિર આયોજિત
બોકારો | બેંક ઓફ ઇન્ડિયા કે 118 વે
સ્થાપન દિવસ કે અવસર પર
બોકારો અંગલ ને રક્તદાન શિવિર કા
આયોજન કિયા | સેપ્ટેમ્બર-4 સ્થિત
આંચિક કાર્યક્રમ પરિસર મને
આયોજન ઇસ શિવિર કા ઉડ્ઘાટન
બેંક ઓફ ઇન્ડિયા બોકારો અંગલ કે
આંચિક પ્રબેદ અશરીન કુમાર
મિત્રન દિવસ ને કરી એવાં અચિક
લોલાં કે કાર્યક્રમ કરી એવાં

ભાજપા નેતા પ્રકાશ કુમાર સિંહ કી લિખી

કિતાબ કા હુઆ વિમોચન

બેંકોમો | ભાજપા નેતા પ્રકાશ કુમાર સિંહ કી લિખી કિતાબ આયુધન ભવન:
કુમારોની પ્રદર્શન કરી એવાં કુમારીની પ્રદર્શન કરી એવાં કુમારીની પ્રદર્શન કરી એવાં

ડીએવી પલ્લિક સ્કૂલ સિંદ્રી મને સંસ્કૃત સાસાઈ

કા હુઆ સમાપન

સિંદ્રી ડીએવી પલ્લિક સ્કૂલ

સિંદ્રી | ડીએવી પલ્લિક સ્કૂલ
સિંદ્રી મને બુધવાર કો સંસ્કૃત સાસાઈ

ને સમાપન સમારોહ મને સ્કૂલીની બચ્ચોની

પ્રસ્તુત કિયા | ઇસ અવસર પર
પ્રચારાં આચુંબક કુમાર ને કહા કિ

સંસ્કૃત સિંહ એવ ભાષા ની નહીં

બલ્કિ સંસ્કૃત જીવન શીતે હૈ |

કાર્યક્રમ કી રૂપરેખા તૈયાર કરને

બાળોને સંસ્કૃત સાસાઈ

ને કરી એવાં કાર્યક્રમ સાથે

</

मारत ही लीडर

बि टेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि भारत की विविधता और उसकी असाधारण सफलताओं का अर्थ है कि जी-20 की अध्यक्षता के लिए वह सही समय पर सही देश है। इसके साथ ही सुनक ने नरेन्द्र मोदी के पिछले की सराहना की और कहा कि ब्रिटेन जी-20 की अध्यक्षता ऐसे समय मिली जब विश्व कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। सुनक ने कहा कि भारत जिस प्रकार वैश्विक नेतृत्व कर रहा है, उसे देखना अद्भुत है।

भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने 9-10 सितंबर को यहां आयेंगित जी-20 खिलाफ सम्मेलन से कुछ दिन पहले, विशेष साक्षात्कार में कहा कि ब्रिटेन और भारत के संबंध दोनों देशों के वर्तमान से भी अधिक, उनके भविष्य को परिभासित करें। उन्होंने कहा, हायांगभारत का आकार, विविधता और इसकी असाधारण सफलताओं का अर्थ है कि यह जी-20 की अध्यक्षता के लिए सही समय पर सही देश है। मैं पिछले वर्ष के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करता हूँ और भारत जिस प्रकार वैश्विक नेतृत्व कर रहा है, उसे देखना अद्भुत है। प्रधानमंत्री सुनक ने सवालों के इमेल से भेजे गए जवाब में कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने से लेकर जलवायु परिवर्तन से निपटने तक विश्व की मौजूदा प्रमुख चुनौतियों का सामना करने के लिए।

विश्व के दो प्रमुख लोकतांत्रों के तौर पर, हमरे लोग हमें परिभासित करते हैं और हमें दिशा दिखाते हैं। सुनक का भारत को जी-20 के लिये सबसे सही देश बताना निश्चित ही दुनिया में भारत को श्रेष्ठ बताने जैसा ही है। यह भारत के सम्मान और विकास के लिये एक बड़ा प्रोत्साहन ही है।

हिमालय की चिंता

प्र हिमालयी शहरों की भूमता के अनुसार जनसंख्या के आकार का निर्णय करना, जो कि क्षेत्र के पारिस्थितिकीय तंत्र को नुकसान पहुँचाये करना अस्तित्व में रह सकती है। दरअसल, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनाम में इस बात का उल्लेख है कि हरेक हिल स्टेन में स्थानीय अधिकारियों की सहायता से उन तमाम तथ्यात्मक पहलुओं के पहचान की जाएं और उससे जुड़े सभी आंकड़े जुटाए जाएं। उल्लेखनीय है कि संस्थान विगत में मनाली, मैकलोंगंज व मसूरी के लिये किये गए एक वैश्विक वहन भूमता अव्यवस्था में भागीदार रहा है। इस बाबत मंत्रालय का सुझाव रहा है कि इस अधिकारियों में राष्ट्रीय आपात प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजिनियरिंग अनुसंधान संस्थान, वाडिंग इंस्टीट्यूट और हिमालय के निदेशकों द्वारा विशेषज्ञों को समिति में शामिल किया जा सकता है। तंत्र की काहिनी का आलम दीखिये कि जीवी पंत संस्थान ने इस बाबत दिशा-निर्देश तैयार करके तीस जनवरी 2020 को सभी तरह हिमालयी राज्यों व केंद्रशिक्षित प्रदेशों को भेज दिये थे, लेकिन इस बाबत कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहां वह एक अंग पद को प्राप्त कर रही है।

हिमालय की चिंता और उस पर अनावश्यक बसाव से स्थिति खतरनाक हो रही है इस पर गंभीर प्रयास आज के समय की मांग है।

